बाप की राय कदम-कदम पर लेते रहो
क्योंकि वो तुम्हें पढ़ा रहे,पालना करते
सज़ाओं से बचना तो नष्टोमोहा बनो
योग बल से सब हिसाब-किताब चुक्तू करो
बिगर फ़िक्र, श्रीमत पर गुप्त राजधानी स्थापित करनी
आत्म-अभिमानी बनना, कोई विकर्म नही करना
कमज़ोर आत्मा को दिलशिक्स्त के बोल नही बोलने
समर्थ बना फिर शिक्षा देनी
हिम्मत उल्लास का हल चलाओ
धरनी पर फिर बीज डालो
रहमदिल बन,विश्व कल्याणकारी बनो
बाप की दुआओं से भरपूरता का अनुभव करो

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!